वैकुण्ठ मे रेवा वालो,
अण काया मे रेवे कठे,
आ कोई जान सको नहीं बीरा,
आया कटु ओर जावो कठे।।

अरे घर मायने चूल्हा जले,
वावानी सब बार धके,
अरे भई मसाना मे बले लाकडा,
ओ राकोडो जावे कठे,
आ कोई जान सको नहीं बीरा,
आया कटु ओर जावो कठे।।

अरे पाव अन्देर की कोठी भरेला,
अरे पाव अन्देर की कोठी भरेला,
अरे भई घर भरी भकारीया नटे,
पेट ओ मसाना रो खाडो,
नही भरे नही भरे,
आ कोई जान सको नहीं बीरा,
आया कटु ओर जावो कठे।।

अरे कारिघर री करनी देखलो,
किसमे कितनो माल खटे,
अरे वहा चार आंगल री करनी देखलो,
ट्रकों ट्रको रेत कटे,

आ कोई जान सको नहीं बीरा,
आया कटु ओर जावो कठे।।

अरे जी ओर हो जी शब्द को,
अर्थ करे वे संत कठे,
अरे समझ्या वाने ईश्वर मिलगा,
न समझ्या री पीड अटे,
आ कोई जान सको नहीं बीरा,
आया कटु ओर जावो कठे।।

वैकुण्ठ मे रेवा वालो,
अण काया मे रेवे कठे,
आ कोई जान सको नहीं बीरा,
आया कटु ओर जावो कठे।।

गायक संत कन्हैयालाल जी।
प्रेषक मनीष सीरवी
9640557818

Source:
https://www.bharattemples.com/vaikunth-me-reva-walo-in-kaya-me-reve-kathe/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw